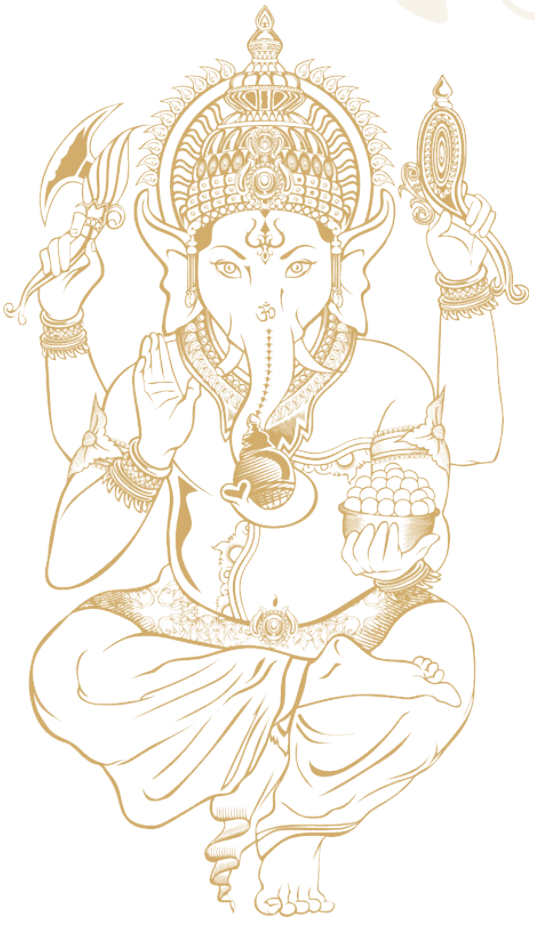

Mr. Raghav

Ms.shubhangi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119694202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/10/1997	जन्म तिथि	7-08/01/1998
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 13:25:00	जन्म समय	00:56:00 घंटे
घटी 18:00:26	जन्म समय(घटी)	44:14:41 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Meerut
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:49	सूर्योदय	07:14:07
18:05:06	सूर्यास्त	17:36:52
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 0वर्ष 10मा 12दि	19:06:08	धनु	लग्न	कन्या	29:14:12	शुक्र 6वर्ष 8मा 18दि
गुरु	15:20:09	कन्या	सूर्य	धनु	23:28:14	मंगल
15/08/2023	22:10:38	कन्या	चंद्र	मेष	22:11:18	26/09/2020
15/08/2039	08:33:21	वृश्चि	मंगल	मक	22:18:07	27/09/2027
गुरु 02/10/2025	06:20:49	कन्या	बुध	धनु	00:29:44	मंगल 22/02/2021
शनि 14/04/2028	18:19:31	मक व	गुरु	मक	29:51:56	राहु 13/03/2022
बुध 21/07/2030	29:24:19	तुला	शुक्र व	मक	07:12:33	गुरु 17/02/2023
केतु 27/06/2031	23:42:01	मीन व	शनि	मीन	20:09:44	शनि 27/03/2024
शुक्र 25/02/2034	25:55:06	सिंह व	राहु व	सिंह	18:21:48	बुध 25/03/2025
सूर्य 14/12/2034	25:55:06	कुंभ व	केतु व	कुंभ	18:21:48	केतु 21/08/2025
चन्द्र 14/04/2036	10:58:23	मक व	हर्ष	मक	13:39:52	शुक्र 21/10/2026
मंगल 21/03/2037	03:22:06	मक व	नेप	मक	05:21:58	सूर्य 26/02/2027
राहु 15/08/2039	09:40:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:09:41	चन्द्र 27/09/2027

लग्न-चलित

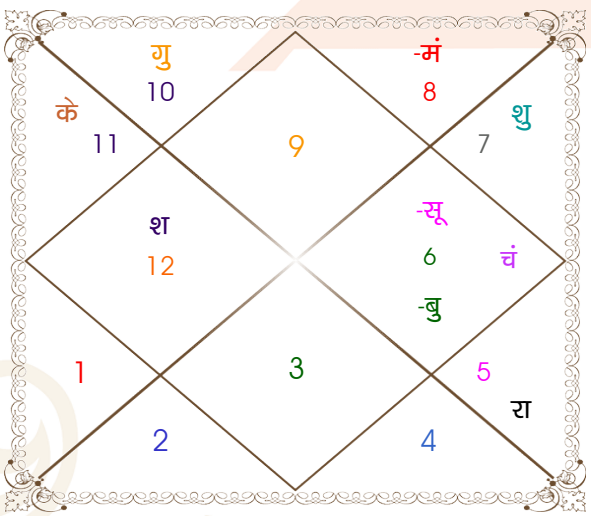

लग्न-चलित

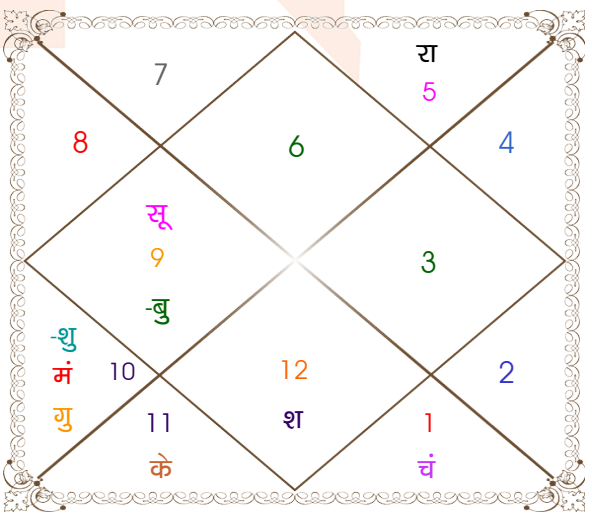

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण् त्हींअ का वर्ग श्वान है तथा डेर्ेनईींदहप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् त्हींअ और डेर्ेनईींदहप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् त्हींअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण् त्हींअ कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण् त्हींअ कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेगैनईंदहप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेगैनईंदहप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् त्ंहींअ तथा डेगैनईंदहप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।